भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2304

जिसका उत्तर 7 अगस्त, 2026 को दिया जाना है ।

16 श्रावण, 1948 (शक)

आंध्र प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर विनिर्माण निवेश

2304. श्री मस्तान राव यादव बीडाः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आंध्र प्रदेश में अनुमोदित औ विचाराधीन सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण निवेशों का ब्यौरा क्या है, जिसमें कुरनूल में प्रस्तावित इंडिचिप सेमीकंडक्टर्स एसआईसी फैब्रिकेशन सुविधा तथा श्री सिटी और डोनाकोंडा जैसे क्लस्टर शामिल हैं;

(ख) क्या नेल्लोर जिले की बंदरगाह और औद्योगिक गलियारा संपर्क सुविधाओं को देखते हुए इस जिले में इसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवाएँ तथा सेमीकंडक्टर सहायक उद्योग से संबंधित निवेश की योजना बनाई जा रही है या विचाराधीन है;

(ग) ऐसे आगामी क्लस्टरों के लिए सरकार के सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कार्यक्रमों के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों और योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस बढ़ते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र से नेल्लोर जिले को निवेश, रोजगार तथा सहायक उद्योगों से संबंधित क्या-क्या लाभ प्राप्त होने की संभावना है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से **(घ);** माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, सरकार ने सेमीकंडक्टरों सहित संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के विकास के लिए संरचित और लक्षित नीतिगत पहलों को अपनाया।

परिणामस्वरूप, भारत अब प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकोसिस्टम में से एक के रूप में उभरा है जैसा कि निम्नानुसार अवलोकित किया गया है:

#	2014-15	2025-26	टिप्पणियां
इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का उत्पादन (₹)	~1.9 लाख करोड़	~13.11 लाख करोड़	7 गुना वृद्धि
इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का निर्यात (₹)	~38 हजार करोड़	~4.24 लाख करोड़	11 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का उत्पादन (₹)	~18 हजार करोड़	~6.27 लाख करोड़	33 गुना वृद्धि
मोबाइल फोन का निर्यात (₹)	~1500 करोड़	~ 2.59 लाख करोड़	165 गुना वृद्धि

माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से आंध्र प्रदेश राज्य को भी लाभ हुआ है। भारत सरकार ने आंध्र के विभिन्न जिलों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाइयों की स्थापना का समर्थन किया है

पीएलआई योजनाएँ, इलेक्ट्रॉनिक्स संघटक विनिर्माण योजना, एमसिप्स आदि जैसी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली विभिन्न योजनाओं के तहत आंध्र प्रदेश सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा दिया है। आंध्र प्रदेश राज्य में, एमईआईटीवाई की विभिन्न योजनाओं के तहत 89 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी दी गई है। विवरण निम्नानुसार हैं:

#	जिला	इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाइयों की संख्या
1	तिरुपति	54
2	चित्तूर	20
3	वाईएसआर कडप्पा	12
4	विशाखापत्तनम	2
5	कृष्ण	1

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी):
सेटअप समय को कम करने और उत्पादन दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार भूमि, उपयोगिताओं और सामान्य सुविधाओं के साथ प्लग-एंड-प्ले विनिर्माण अवसरंचना प्रदान करने के लिए, सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी) योजना को अधिसूचित किया। सरकार ने आंध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित ईएमसी को सहायता प्रदान की है -

i. श्री सिटी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में स्थित है – 94 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है।

ii.ईएमसी - I तिरुपति इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले (रानीगुंटा और येरपाडु मंडल) में स्थित है – जो 113.27 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है।

iii.आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले (विक्रुथमाला गांव) में स्थित ईएमसी- II तिरुपति इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर - 501.40 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है।

iv.आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में स्थित वाईएसआर कोप्पार्थी इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर - 540 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम:
सेमीकंडक्टर के महत्व को पहचानते हुए, सरकार ने सेमीकंडक्टर फैब, डिस्प्ले फैब्स सेमीकंडक्टर पैकेजिंग की स्थापना और भारतीय डिजाइन किए गए चिप्स को बढ़ावा देने हेतु जनवरी 2022 में सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया।

सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत, सरकार ने 12 विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में असेंबली टेस्टिंग मार्किंग एंड पैकेजिंग (एटीएमपी) सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव शामिल है। इस सुविधा की उत्पादन क्षमता लगभग 96 मिलियन यूनिट/वर्ष होगी।

चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) कार्यक्रम:
सरकार ने चिप डिजाइन में उद्योग के लिए तैयार जनशक्ति प्रदान करने के लिए चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्यक्रम के तहत, अत्याधुनिक चिप डिजाइन टूल्स तक अभिगम बिना किसी लागत के प्रदान की गई है। अब तक, आंध्र प्रदेश में निम्नलिखित तेईस (23) शैक्षणिक संस्थानों को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) उपकरणों तक पहुंच प्रदान की गई है।

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति
2. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन और विनिर्माण संस्थान, कुरनूल
3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आंध्र प्रदेश
4. श्री विष्णु इंजीनियरिंग कॉलेज फॉर वीमेन, भीमावरम
5. विज्ञान फाउंडेशन फॉर साइंस टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, गुंटूर

6. वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी-एपी) विश्वविद्यालय, अमरावती, आंध्र प्रदेश
7. एसआरएम विश्वविद्यालय, एपी
8. जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू), काकीनाडा
9. जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू), अनंतपुर
10. वी.आर. सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, विजयवाड़ा
11. अनिल नीरुकोंडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (एएनआईटीएस), विशाखापत्तनम
12. विष्णु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आंध्र प्रदेश
13. सागी रामकृष्णम राजू (एसआरकेआर) इंजीनियरिंग कॉलेज, आंध्र प्रदेश
14. जीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (जीएमआरआईटी), आंध्र प्रदेश
15. जी. पुलैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कुरनूल
16. कोनेरू लक्ष्मैया एजुकेशन फाउंडेशन, गुंटूर
17. विज्ञान सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, विशाखापत्तनम
18. मोहन बाबू विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश
19. नारायण इंजीनियरिंग कॉलेज, गुडुर, आंध्र प्रदेश
20. श्री वासवी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, ताडेपल्लीगुडेम, आंध्र प्रदेश
21. गायत्री विद्या परिषद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विशाखापत्तनम
22. संथीराम इंजीनियरिंग कॉलेज, नंदयाल, कुरनूल
23. राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुपति

उपर्युक्त के अलावा, आंध्र प्रदेश राज्य में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित संस्थानों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई है:

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) तिरुपति
2. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन और विनिर्माण संस्थान (आईआईआईटी-डीएम), कुरनूल
3. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), पश्चिम गोदावरी
4. श्री विष्णु इंजीनियरिंग कॉलेज फॉर वुमन, भीमावरम, पश्चिम गोदावरी

नाइलिट के माध्यम से कौशल:
आंध्र प्रदेश में नाइलिट, तिरुपति केंद्र की स्थापना नवीन पाठ्यक्रम विकास, उद्योग-संरेखित प्रशिक्षण और उभरती प्रौद्योगिकियों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण सामग्री के माध्यम से आईईसीटी इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने के लिए की गई है। केंद्र से एक कुशल कार्यबल के विकास का समर्थन करके और भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और डिजाइन इकोसिस्टम को सुदृढ़ करके भारत सेमीकंडक्टर मिशन में योगदान देने की भी उम्मीद है।

****